1. कवि ने गाँव को 'हरता जन मन' क्यों कहा है ?
उत्तर:- कवि ने गाँव को 'हरता जन मन' इसलिए कहा है क्योंकि उसकी शोभा अनुपम है। चारों तरफ़ हरियाली के कारण धरती प्रसन्न है। गाँव का प्राकृतिक सौंदर्य सभी के मन को छूता है।

---

2. कविता में किस मौसम के सौंदर्य का वर्णन है ?
उत्तर:- कविता में वसंत ऋतु के सौंदर्य का वर्णन है। इसी ऋतु में में पेड़ों से पत्ते गिरते हैं और उन पर नई कोपलें, पत्तियाँ, फल और फूल आने शुरू होते हैं। फसलों तथा सब्जियों के फलने -फूलने का भी यही समय होता है।

---

3. गाँव को 'मरकत डिब्बे सा खुला' क्यों कहा गया है ?
उत्तर:- खेतों में हरियाली छाई हुई है। विविध प्रकार की फसलें लहलहा रही है। कहीं फूलों पर रंगीन तितलियाँ मंडरा रही है। चारों ओर फल और फूलों की सुंगंध बिखरी पड़ी है। सूरज की धूप से निखरता सौंदर्य इस हरीतिमा में चमक पैदा करता है। इसी हरीतिमा को दर्शाने के किए गाँव को 'मरकत डिब्बे सा खुला' कहा गया है।

---

4. अरहर और सनई के खेत कवि को कैसे दिखाई देते हैं ?
उत्तर:- अरहर और सनई के खेत कवि को ऐसे प्रतीत होते हैं जैसे वसुधा ने फलियों के रूप में अपनी कमर पर सुनहरी रंग की करधनी बाँध रखी हो।

5.1 भाव स्पष्ट कीजिए –
बालू के साँपों से अंकित
गंगा की सतरंगी रेती
उत्तर:- प्रस्तुत पंक्तियों में गंगा नदी के किनारे फैली रेत को सतरंगी कहा है। पानी की लहरों और हवा के कारण इस पर टेढ़ी-मेढ़ी रेखाएँ पड़ जाती है, जो सूरज के प्रभाव से चमकने लगती हैं और साँपों के चलने से बने निशानों सी दिखती है।
5.2 भाव स्पष्ट कीजिए –
हँसमुख हरियाली हिम-आतप
सुख से अलसाए-से सोए
उत्तर:- हरियाली सूरज के प्रकाश में जगमगाती हुई हँसमुख सी प्रतीत होती है। सर्दी की धूप भी खिली-खिली है ऐसे में लगता है जैसे दोनों आलस्य से भरकर सोए हुए हों।

---

6. निम्न पंक्तियों में कौन-सा अलंकार है ?
तिनकों के हरे हरे तन पर
हिल हरित रुधिर है रहा झलक
उत्तर:- हरे हरे – पुनरुक्ति अलंकार है।
हिल हरित – अनुप्रास अलंकार है।
तिनकों के तन पर – मानवीकरण अलंकार है।

---

7. इस कविता में जिस गाँव का चित्रण हुआ है वह भारत के किस भू-भाग पर स्थित है ?
उत्तर:- इस कविता में उत्तरी भारत के गंगा तट पर बसे किसी गाँव का चित्रण हुआ है।

• रचना और अभिव्यक्ति
8. भाव और भाषा की दृष्टि से आपको यह कविता कैसी लगी ? उसका वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।
उत्तर:- प्रस्तुत कविता भाव और भाषा दोनों की ही दृष्टि से अत्यंत सहज और आकर्षक है। प्रस्तुत कविता में प्रकृति का लुभावना और सुन्दर वर्णन हुआ है। कवि ने प्रकृति का मानवीकरण किया है।
कविता की भाषा भी अत्यंत सरल, मधुर तथा प्रवाहमयी है। अलंकारों का प्रयोग करके कविता के सौंदर्य में और वृद्धि हुई है।

---

9. आप जहाँ रहते हैं उस इलाके के किसी मौसम विशेष के सौंदर्य को कविता या गद्य में वर्णित कीजिए।
उत्तर:- मेरे मुंबई शहर की बरसात
उमस से राहत दिलानेवाली बरसात
खुशियों से सराबोर करनेवाली बरसात
मेरे मुंबई शहर की बरसात
चाय की चुस्की और गर्म पकौड़ियों वाली बरसात
मरीन ड्राइव पर सागर की अठखेलियोंवाली बरसात
मेरे मुंबई शहर की बरसात
कीचड़ से लथपथवाली बरसात
सडकों पर ट्रैफिक जामवाली बरसात
मेरे मुंबई शहर की बरसात
आपाधापी और रेलमपेलम वाली बरसात
मजदूरों से रोटी, रोजी छिनने वाली बरसात
मेरे मुंबई शहर की बरसात
आफिस स्कूलों से छुट्टियाँ की आस बढ़ाने वाली बरसात
मन अंतर आत्मा को छूने वाली बरसात
मेरे मुंबई शहर की बरसात